

झारखण्ड विधान सभा

ध्यानाकर्षण सूचना

पंचम् झारखण्ड विधान-सभा
द्वादश (मॉनसून) सत्र

निम्नलिखित ध्यानाकर्षण- सूचनायें झारखण्ड विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन के नियम- 147 के अन्तर्गत दिनांक- 04.08.2023 के लिए माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा स्वीकृत की गयी हैं :-

क्र०सं०	सदस्य का नाम	विषय	विभाग
01.	02.	03.	04.
01-	श्री रामचन्द्र चन्द्रवंशी स०वि०स०	गढ़वा जिला के रमुना, मझिआँव प्रखंड अन्तर्गत मझिआँव-रमुना पथ का निर्माण कार्य योजना में 55,26,12,000/- रुपये की स्वीकृति दी गई है जिसमें मे०आर०के० इन्फ्रा० कोरपोरेशन प्रा० लि० संवेदक नियुक्त किए गए है। उक्त सड़क का आधा भाग ग्राम दवनकारा से प्रखंड मुख्यालय मझिआँव तक मेरे निर्वाचन क्षेत्र में पड़ता है। संवेदक ने बिना मेरे द्वारा भूमि पूजन के कार्य प्रारम्भ कर दिया है, तथा घटिया किस्म की सामग्री से प्राक्कलन को नजर-अंदाज करते हुए कार्य कराया जा रहा है, जिससे जनता में काफी आक्रोश है, मेरे द्वारा स्थल निरीक्षण कर प्राक्कलन के अनुरूप कार्य करने का निर्देश देने के बावजूद संवेदक तथा कार्यपालक अभियंता द्वारा मिलीभगत से घटिया स्तर का कार्य कराया जा रहा है, जिससे भविष्य में कार्य बाधित हो सकता है। अतः सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि उपरोक्त परिस्थिति के मद्देनजर भुगतान रोकते हुए संवेदक एवं दोषी अभियंता के विरुद्ध कार्रवाई की जाय।	पथ निर्माण

02-	श्री रामदास सोरेन स०वि०स० श्री दशरथ गागराई स०वि०स०	पूर्वी सिंहभूम जिलान्तर्गत घाटशिला विधान सभा क्षेत्र स्थित बुरुडीह राज्य सरकार द्वारा घोषित पर्यटन स्थल के रूप चिन्हित है जहाँ प्रतिदिन हजारों पर्यटक राज्य से तथा अन्य पड़ोसी राज्यों से घुमने आते हैं तथा उक्त डैम से बुरुडीह, हीरागंज, कालचिति, धबोनी, चेंगजोड़ा, केंदडांगा, चापड़ी, ऐदेलबेड़ा, दीघा, महिशाडूबा, झापड़ीशोल आदि गाँवों के किसानों को सिंचाई के साधन उपलब्ध होते हैं। साथ ही उक्त डैम तीनों ओर से घने जंगल से घिरा होने के कारण उक्त क्षेत्र में काफी हरियाली रहती है तथा उक्त क्षेत्र काफी मनोरम दिखाई देता है। परन्तु विगत कई वर्षों से अनियमित वर्षा होने के कारण उक्त डैम का जलस्तर सुख जाता है तथा उक्त डैम का अस्तित्व खतरे में हो गई है, जिसके कारण उक्त क्षेत्र में पर्यटकों का आवागमन काफी कम हो गई है जबकि चांडिल डैम के बांयी ओर उक्त डैम की कैनाल गई है जो लगभग 01 कि०मी० की दूरी पर स्थित है जिसमें सालोभर विशेषकर बरसात के दिनों में हल्की बारिश में भी जलस्तर काफी वृद्धि होने के कारण आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है ऐसे में अगर सरकार द्वारा चांडिल डैम के उक्त कैनाल से माध्यम से भूमिगत पाईप द्वारा बुरुडीह डैम में जल पहुँचाकर उक्त डैम के अस्तित्व को बचाई जा सकती है तथा सरकार द्वारा उक्त डैम में मोटर बोट की सुविधा देने से पर्यटकों को आकर्षण बढ़ेगा और उक्त क्षेत्र के लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेगा जिससे सरकार को राजस्व की भी प्राप्ति होगी। अतः सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान उक्त जनहित मामले की ओर आकृष्ट कराना चाहूँगा।	जल संसाधन
------------	---	--	------------------

01.	02.	03.	04.
03-	श्री नमन विकसल कोनगाड़ी स०वि०स० श्री उमाशंकर अकेला स०वि०स० श्री रामचन्द्र सिंह स०वि०स०	झारखण्ड राज्य के अधिकांश जिलों में व्यापक रूप से खतियान, पट्टा एवं पंजी-2 का ऑनलाईन जमीन से संबंधित गड़बड़ियाँ देखने को मिल रही है। ज्ञात हो कि आम लोगों का काम जमीन से जुड़ी कई मामले लंबित पड़ा है। यह मामला जनता से जुड़ी एक गंभीर विषय है, जिसके कारण जमीनों का विवाद अभी भी चल रहा है, जिससे लॉ एण्ड ऑर्डर की समस्या आये दिन देखने को मिल रहा है। अतः वर्णित तथ्यों के आलोक में क्या सरकार सिमडेगा एवं खूँटी जिला में हर पंचायत स्तर पर इसे शिविर लगाकर ऑनलाईन खतियान पट्टा एवं पंजी-2 का ऑनलाईन त्रुटियों को सुधार करने हेतु मैं सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूँ।	राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार
04-	श्री केदार हजरा स०वि०स०	कार्यालय वन प्रमण्डल पदाधिकारी हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमण्डल वन भवन हजारीबाग के पत्रांक- 2869, दिनांक- 25.05.23 के द्वारा चौपारण जी०टी० रोड के बगल वन भूमि पर स्थानीय लोगों द्वारा अवैध जमीन कब्जा। (वन भूमि) को हटाने से संबंधित पत्र निर्गत किया गया है। परन्तु भू-माफियाओं द्वारा अपने पहुँच के बल पर वन भूमि का अवैध उपयोग कर रहा है। अतः मैं सरकार से मांग करता हूँ कि उपरोक्त बिन्दुओं पर अविलम्ब कार्रवाई की जाए।	वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन
05-	श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह स०वि०स०	झारखण्ड निर्माण के बाद समय-समय पर संथाल परगना क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के द्वारा खेतौरी, घटवाल व घटवार को अनुसूचित जनजातियों की सूची में शामिल करने की माँग की जाती रही है। परन्तु सरकार के उदासीनता के कारण इन जातियों को अबतक अनुसूचित जनजातियों की सूची में शामिल नहीं किया जा सका है। अतएव संथाल परगना क्षेत्र में पीढ़ी दर पीढ़ी निवास करने वाले खेतौरी, घटवाल व घटवार को अनुसूचित-	कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा

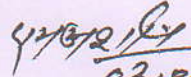
01.	02.	03.	04.
		जनजाति की सूची में शामिल करने हेतु एक प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजने हेतु सरकार का ध्यान आकृष्ट करा रही हूँ।	

राँची,
दिनांक- 04 अगस्त, 2023 ई०।

सैयद जावेद हैदर
प्रभारी सचिव,
झारखण्ड विधान सभा, राँची।

ज्ञाप सं०-प्र०ध्या०-45/2023-.....²¹⁰⁷...../वि० सं०, राँची, दिनांक-03/08/23

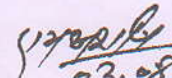
प्रति:- झारखण्ड विधान सभा के मा०सदस्यगण/ मा०मुख्यमंत्री/ एवं अन्य मंत्रिगण/ मुख्य सचिव, झारखण्ड सरकार, राँची/ माननीय राज्यपाल के प्रधान सचिव/ लोकायुक्त के आप्त सचिव/ महाधिवक्ता, उच्च न्यायालय, राँची/ सचिव, जल संसाधन विभाग/सचिव, पथ निर्माण विभाग/सचिव, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग/वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग एवं कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।


03.08.23
(रामअशीष यादव)

अवर सचिव,
झारखण्ड विधान सभा, राँची।

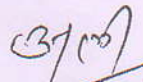
ज्ञाप सं०-प्र०ध्या०-45/2023-.....²¹⁰⁷...../वि० सं०, राँची, दिनांक- 03/08/23

प्रति:- आप्त सचिव, अध्यक्षीय कार्यालय एवं निजी सहायक, सचिवीय कार्यालय को क्रमशः मा० अध्यक्ष महोदय एवं प्रभारी सचिव महोदय के सूचनार्थ प्रेषित।


03.08.23

अवर सचिव,
झारखण्ड विधान सभा, राँची।

सुभाष/-


03/08/2023